राष्ट्रीय गीत

वंदे मातरम्

वंदे मातरम् वंदे मातरम्
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्
शस्य श्यामलाम् मातरम् । वंदे मातरम्।।
शुभ्र ज्योत्सना पुलकित यामिनीम्
फुल्ल-कुसमित द्रुमदल शोभिनीम्।
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्।
सुखदाम् वरदाम् मातरम् ।।
वंदे मातरम्.......
सप्त कोटि कंठै कल-कल निनाद कर लै।
द्विसप्त कोटि भुजैधृत स्वर करवाले
अबला के ना मा ए तो बोले बहुबल धारिणीम्
नमामि तारिणीम् रिपुदल वारिणीम् मातरम्।।
वंदे मातरम्.......
त्वमहि विद्या त्वमहि धर्म, त्वमहि हृदय तुमिमो भक्ति
त्वमरी प्रतिमाँ गढ़ी मंदिरे।-२
त्वमहि दुर्गा दशप्रहरण धारिणीम् कमला कमल दल विहारिणीम्
वाणी विद्याए दायिनीम् नमामि त्वाम् । नमामि कमलां अमलां
अतुलाम् सुजलाम सुफलाम् मातरम्।।
वंदे मातरम् ......
श्यामलाम् सरलाम् सुस्मिताम् भूषिताम् धारिणीम्
मारिणीम मातरम्।।
वंदे मारतम्......

राष्ट्रीय गान

जन गण मन अधिनायक जय हे।
भारत भाग्य विधाता।
पंजाब सिंध गुजरात मराठा।
द्राविण उत्कल बंग।।
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा।
उच्छल जलधि-तरंग।।
तव शुभ नामे जागे।
तव शुभ आशिष मांगे।।
गाहे तव जय गाथा।
जन गण मंगलदायक जय हे।।
भारत भाग्य विधाता
जय हे। जय हे। जय हे।
जय, जय, जय, जय हे।।